



धमाका
डिस्टाउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 1,51,905	Silver 2,95,000	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	---------------	-----------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

प्रदेश के सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 41 हजार करोड़ रुपये की स्वीकृति

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लगभग 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक के महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्तावों और जनकल्याणकारी निर्णयों को स्वीकृति प्रदान की। राज्य में ग्रामीण विकास के ढांचे को गति देने के लिए 'विकसित भारत: वीबी जी राम जी योजना' के क्रियान्वयन के लिये 29 हजार 619 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया गया। इसके साथ ही प्रदेश की सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए पश्चिम भोपाल बायपास 4-लैन निर्माण के लिए 3 हजार 774 करोड़ रुपये और मेहलुआ-बीना-खिमलासा-मालथीन मार्ग के लिए 3 हजार 272 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिससे राज्य में

औद्योगिक और सभी तरह के आवागमन को नई ऊर्जा मिलेगी। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय संतुलन और गुणवत्ता विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) का पुनर्गठन कर भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में तीन नए प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य के दुरुध उत्पादकों के आर्थिक सशक्तिकरण और 'संची' ब्रांड के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय



डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से 2 हजार 973 करोड़ रुपये की डेयरी विकास योजना को मंजूरी दी गई। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चिकित्सा उपकरणों और विभागीय परिसरपत्तियों के संधारण

के लिए 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। किसानों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए पंजीकृत कृषकों से ग्रीष्मकालीन मूंग की उपज के उपार्जन सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने के निर्णय का अनुसमर्थन किया गया। साथ ही नवगठित जिलों मैहर, मऊगंज, पांडुर्वा और निवाड़ी में प्रशासनिक

व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए सामाजिक न्याय और आयुष विभागों में नए पदों के सृजन को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

वीबी जी राम जी योजना के क्रियान्वयन के लिए 29 हजार 619 करोड़ रुपये का अनुसमर्थन – मंत्रि-परिषद ने 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिये गारंटी मिशन (ग्रामीण)' : वीबी जी राम जी योजना मध्यप्रदेश' और इसके 1 जुलाई 2026 से प्रभावशील किए जाने का अनुसमर्थन किया। योजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-2027 में अनुमानित लागत रुपये 3,183 करोड़ रुपये तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक योजना की निरंतरता के लिए कुल अनुमानित लागत 26,436 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया गया।

केंद्र और राज्य का अंश 60:40 के अनुपात में होगा, जिसमें राज्यांश 10 हजार 574 करोड़ रुपये होगा। इन पाँच वर्षों में प्रशासनिक व्यय के लिए 946 करोड़ रुपये का व्यय होगा, जो राज्य शासन वहन करेगा।

निर्णय अनुसार नई योजना अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत परिवारों के इच्छुक वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अब 100 दिन के स्थान पर 125 दिनों के श्रमजन्य रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी। रोजगार के दिनों में की गई यह वृद्धि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी। नई योजना का मुख्य आधार 'विकसित भारत @2047' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण बुनियादी ढांचे को तैयार करना है।

अब प्रत्येक ग्राम पंचायत जी आई एस आधारित तकनीक, 'पीएम गति शक्ति' लेयर्स और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके 'विकसित ग्राम पंचायत योजना' तैयार करेगी। इन योजनाओं को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से 'विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसरंचना स्ट्रेक' में समेकित किया जाएगा।

सुवासरा थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह बघेल लाइन अटैच:विकास गहलोत को अफजलपुर की कमान, मंदसौर जिले में 7 पुलिसकर्मियों का तबादला

मंदसौर । जिले की पुलिस व्यवस्था में मंगलवार को फेरबदल किया गया है। एसपी विनोद कुमार थाना ने तीन निरीक्षकों, एक उपनिरीक्षक और तीन प्रधान आरक्षकों सहित कुल सात पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण कर दिया। इस फेरबदल में अफजलपुर, सुवासरा और अजाक थाने के प्रभारियों की जिम्मेदारियां बदली गईं हैं।

सुवासरा थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह बघेल को पुलिस लाइन भेजा गया है। उनकी जगह निरीक्षक भगवान दास बीरा को सुवासरा थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। बलवौर सिंह चौधरी को अजाक थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लंबे समय से खाली चल रहे अफजलपुर थाने में बूढ़ा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विकास गहलोत को थाना प्रभारी बनाया गया है।

सुवासरा में लचर पुलिसिंग के कारण पिछले महीने मोहम्मद के जुलूस के दौरान तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस घटना के बाद सुवासरा बंद तक की नौबत आ गई थी। स्थिति को शांत करने के लिए आसपास के थाना प्रभारियों और मंदसौर एडिशनल एसपी को मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से बातचीत करनी पड़ी थी। निरीक्षक राजेंद्र सिंह बघेल को सुवासरा से हटाकर लाइन अटैच करने का मुख्य कारण यही बताया जा रहा है।

विकास को अफजलपुर थाने की कमान – बता दें कि अफजलपुर थाना प्रभारी हरीश मालवीय को 6 अगस्त को काम में लापरवाही के चलते एसपी ने लाइन अटैच कर दिया था। लगभग 25 दिन बाद अब बूढ़ा चौकी प्रभारी विकास गहलोत को अफजलपुर थाने की कमान सौंपी गई है।

हरीश मालवीय को अप्रैल 2026 में गरोठ से स्थानांतरित कर अफजलपुर थाने की जिम्मेदारी दी गई थी। हरीश के लगभग साढ़े तीन महीने के कार्यकाल में पुलिस ने कई NDPS मामलों में कार्रवाई की। हालांकि, उनके खिलाफ रूप्यों के लेवेदेन से जुड़े आरोप भी सामने आए थे, हालांकि विभाग द्वारा आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। वहीं एसपी ने उन्हें काम में लापरवाही और अनियमितताओं के चलते लाइन अटैच किया था।

अफजलपुर के नवनियुक्त थाना प्रभारी विकास गहलोत नवंबर 2025 से बूढ़ा चौकी प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इस दौरान वे पुलिस की विशेष टीम का हिस्सा रहे और जिले में हुई कई बड़ी एवं चर्चित कार्रवाइयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

मंदसौर में 21.47 लाख की ड्रग्स पकड़ी

अपाचे बाइक और 190 ग्राम एमडी और 3.6 किलो डोडाचूरा जब्त, राजस्थान का सप्लायर फरार

मन्दसौर । मंदसौर की नई आबादी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपाचे बाइक से एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा लेकर मंदसौर से सीतामऊ की ओर जा रहे थे। मंगलवार शाम पुलिस ने नाकाबंदी कर दोनों को रोका और तलाशी ली। पुलिस ने आरोपियों के पास से 190 ग्राम एमडी ड्रग्स, 3.6 किलो डोडाचूरा, दो आईफोन और एक सैमसंग मोबाइल जब्त किया है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 21 लाख 47 हजार रुपए बताई गई है।

लाभमुनि अस्पताल के पास नाकाबंदी कर पकड़ा – पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक बाइक से मादक पदार्थ लेकर मंदसौर से सीतामऊ की ओर जाने वाले हैं। सूचना के बाद थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर के नेतृत्व में टीम बनाई गई। पुलिस टीम ने लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय के पास मंदसौर-सीतामऊ रोड पर नाकाबंदी की। इसी दौरान काले रंग की टीवीएस अपाचे बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोककर तलाशी ली। दोनों



के बीच रबीर बैग की जांच करने पर उसमें एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा मिला। पुलिस ने नयापुरा मंदसौर निवासी नाजिश (19) और शाहरुख (28) को गिरफ्तार कर लिया।

190 ग्राम एमडी और 3.6 किलो डोडाचूरा मिला – पुलिस के अनुसार, आरोपियों से 190 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। इसकी कीमत करीब 19 लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा 3.6 किलो डोडाचूरा जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 7 हजार रुपए है। टीवीएस अपाचे बाइक की कीमत करीब 70 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने दो एम्पल और एक सैमसंग मोबाइल भी जब्त किए हैं। इनकी कीमत करीब 1.70 लाख रुपए आंकी गई है।

राजस्थान से लाने की बात कही – पुलिस पूछताछ में दोनों



आरोपियों ने बताया कि वे मादक पदार्थ राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के हतुनिया निवासी अय्यब पठान से लेकर आए थे। पुलिस ने अय्यब पठान को मामले में फरार आरोपी बनाया है और उसकी तलाश की जा रही है। नई आबादी थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 150/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 22 और 29 में केस दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी महोगे शौक पूरे करने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हुए थे। इनमें से शाहरुख एयरटेल कंपनी में काम करता है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। फरार आरोपी अय्यब पठान की तलाश के लिए पुलिस टीम प्रयास कर रही है।



नीमच । नीमच में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। इस दौरान पेट्रोल पंप पर डिजिटल पेमेंट के बाद पेट्रोल डालने में धोखाधड़ी और मध्याह्न भोजन बनाने वाले रसोइयों के बकाया मानदेय का मुद्दा भी उठाया गया। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने जिले से आए 92 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

पेट्रोल पंप पर स्कैम, 5Km बाद स्कूटर बंद – स्क्रीम नंबर 9 निवासी नफीसा बेग ने शिकायत की कि 30 अगस्त को उन्होंने फक्वारा

चौक के न्यू अब्दुल रसूल एंड संस एचपी पेट्रोल पंप से एक्टिव में 255 रुपए का पेट्रोल डलवाया था। उन्होंने डिजिटल पेमेंट किया था। नफीसा के मुताबिक, पेट्रोल पंप से करीब 5 किलोमीटर दूर उनका स्कूटर बंद हो गया। जांच करने पर टंकी खाली मिली। इसके बाद उन्हें स्कूटर पैदल लेकर जाना पड़ा। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालक से शिकायत की।

नफीसा का आरोप है कि उनकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने CCTV फुटेज, मीटर रीडिंग और डिजिटल पेमेंट की

जांच कराने की मांग की है। इस मामले में डीएसओ ने जांच शुरू कर दी है।

2200 रसोइयों का मानदेय अटक – महिला स्वयं सहायता समूह महासंघ (मप्र) की महिलाओं ने जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जुलाई-अगस्त की भोजन पकाने की लागत और रसोइयों का बकाया मानदेय जारी करने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष माया मनोहर बैरागी और जिला अध्यक्ष माया पाटीदार से घायल हो गए। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

नीमच फोरलेन पर बाइक भिड़ंत : भादवामाता जा रहे थे, बुजुर्ग सहित तीन घायल



नीमच । नीमच सिटी थाना क्षेत्र में मंगलवार को फोरलेन पर बरखेड़ा हाड़ा चौराहे के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस के अनुसार, शाजापुर जिले के निवासी दो श्रद्धालु बाइक

से राजस्थान के रामदेवरा की यात्रा पर जा रहे थे। रास्ते में वे भादवा माता मंदिर के दर्शन के लिए मुड़े। इसी दौरान बरखेड़ा हाड़ा चौराहे के पास उनकी बाइक सामने से आ रहे एक बुजुर्ग बाइक सवार से टकरा गई। घायलों की पहचान लक्ष्मण (60) पिता ताराचंद, निवासी बरखेड़ा हाड़ा (नीमच); लक्ष्मण (28) पिता बहादुर सिंह, निवासी बड़ी पिलाई, जिला शाजापुर; और अखिलेश (42) पिता बहादुर सिंह,

निवासी बड़ी पिलाई, जिला शाजापुर के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के पायलट भैरूलाल राठौर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को प्राथमिक सहायता देकर तुरंत नीमच जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम घायलों का इलाज कर रही है। नीमच सिटी थाना पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोयाबीन की चूरी में छिपा 12.70 विंटल डोडाचूरा जब्त : जोधपुर के 2 आरोपी गिरफ्तार, 77.40 लाख का सामान बरामद

नीमच । जिले की जीरन थाना पुलिस ने मंगलवार दोपहर हाईवे पर गश्त के दौरान सोयाबीन की चूरी की आड़ में ले जा रहे 12 विंटल 70 किलोग्राम डोडाचूरा पकड़ा। इस मामले में राजस्थान के जोधपुर निवासी दो तस्करो को गिरफ्तार किया गया है। एक ट्रक भी जब्त किया गया। जब्त डोडाचूरा और वाहन समेत कुल 77.40 लाख रुपए का सामान बरामद हुआ है।

जीरन थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम हाईवे पर गश्त कर रही थी। तभी उन्हें मुखबिर से खबर मिली कि राजस्थान नंबर के एक ट्रक (RJ 18 GA 9130) में अवैध मादक पदार्थ की छेप ले जाई जा रही है। पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी



कर संदिग्ध ट्रक को रोका। पुलिस टीम ने जब ट्रक की तलाशी ली, तो ऊपरी हिस्से में सोयाबीन की चूरी के बोरे भरे थे। गहराई से जांच करने पर बोरियों की परतों के बीच छिपाकर रखे 12 विंटल 70

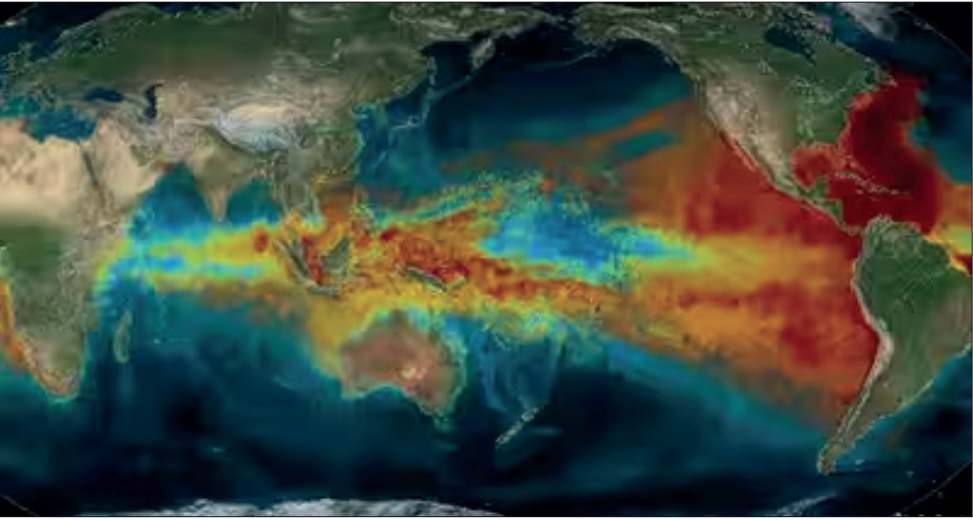
किलो डोडाचूरा के बोरे मिले। पुलिस ने मौके पर ही दोनों आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों की पहचान जोधपुर के ओशियां तहसील निवासी सुखा राम (35 वर्ष) पिता धनाराम जाट और



कालूराम (22 वर्ष) पिता रूपा राम जाट के रूप में हुई है। सुखा राम तरनो की डानी, बारा कल्ला का रहने वाला है, जबकि कालूराम ग्राम चांदरक का निवासी है। जीरन पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ

एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि यह डोडाचूरा कहाँ से लाया गया था और इसे राजस्थान में कहाँ पहुंचाना था।

दुनिया के लिए चिंता का विषय बना अलनीनो



चुनौतियों से जूझ रहे आम परिवारों के लिए खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन सकती है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब वातावरण अधिक गर्म होता है, तो उसमें नमी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। परिणामस्वरूप कई बार कम समय में अत्यधिक बारिश होने लगती है। ऐसी बारिश सामान्य मानसून से अलग होती है। कुछ घंटों में इतनी वर्षा हो जाती है कि शहरों की जल निकासी व्यवस्था जवाब दे देती है, नदियां उफान पर आ जाती हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। यानी एक ओर सूखे जैसी स्थिति और दूसरी ओर अचानक बाढ़—दोनों परिस्थितियां एक ही बदलती जलवायु व्यवस्था का हिस्सा बन सकती हैं। भारत के लिए यह खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि देश की भौगोलिक विविधता बहुत अधिक है। हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाएं जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ़े? से बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं महानगरों में कुछ घंटों की तेज बारिश ही यातायात, बिजली, सीवर और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में यह समझना होगा कि केवल बारिश की कुल मात्रा देखना पर्याप्त नहीं है; **बारिश कब, कितनी तेजी से और किस क्षेत्र में होती है**, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अल नीनो का असर समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी पर

भी पड़ सकता है। समुद्र का तापमान बढ़ड़े से समुद्री जीव-जंतुओं और मछली उत्पादन पर असर पड़ सकता है। समुद्र दुनिया की जलवायु प्रणाली का महत्वपूर्ण नियामक है। इसलिए समुद्र के तापमान में होने वाला बदलाव लंबे समय तक वातावरण और मौसम को प्रभावित कर सकता है। यदि समुद्रों का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव और बढ़ेगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलता मौसम बड़ी चुनौती बन रहा है। अत्यधिक गर्मी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कमजोर वर्गों, बुजुर्गों, बच्चे और खुले में काम करने वाले श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन और अल नीनो का प्रभाव केवल मौसम विभाग के आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी विषय है। अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कृषि उत्पादन में कमी, बिजली की मांग में वृद्धि, जल संकट, बाढ़ से बुनियादी ढांचे को नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी खर्च—इन सभी का आर्थिक बोझ सकार और जनता दोनों को उठाना पड़ता है। अत्यधिक गर्मी में बिजली की मांग बढ़ती है, जबकि जल संकट से उद्योग और कृषि दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बाढ़ और भूस्खलन से सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है।ऐसे समय में सरकारों की

जिम्मेदारी केवल राहत और मुआवजे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु जोखिम को विकास की हर योजना का हिस्सा बनाया जाए। शहरों की जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक बनाया जाए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण हो, जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए और किसानों को मौसम आधारित कृषि सलाह समय पर उपलब्ध कराई जाए। सूखा और बाढ़ दोनों से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर अलग-अलग रणनीतियां तैयार करनी होंगी। कृषि क्षेत्र में भी पारंपरिक सोच से आगे बढ़ड़े की जरूरत है। कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों, सूखा और गर्मी सहन करने वाली किस्मों, माइक्रो-इरिगेशन तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा। किसानों को मौसम की वास्तविक समय की जानकारी और संभावित जोखिमों के बारे में पहले से चेतावनी मिलनी चाहिए। इससे वे बुवाई, सिंचाई और कटाई से जुड़े निर्णय अधिक वैज्ञानिक ढंग से ले सकेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अल नीनो को केवल एक अस्थायी प्राकृतिक घटना मानकर उसके खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अल नीनो आएका और जाएगा, लेकिन यदि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो ऐसी प्राकृतिक घटनाओं के प्रभाव अधिक जटिल और गंभीर हो सकते हैं। इसलिए वास्तविक चुनौती अल नीनो से अधिक उस बदलती जलवायु व्यवस्था की है, जिसमें अल नीनो अपना प्रभाव डाल रहा है। धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना होगा, जलवायु अनुकूल नीतियां बनानी होंगी और प्रकृति के साथ विकास की नई भाषा लिखनी होगी। यदि हमने आज भी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल बदलते मौसम का नहीं, बल्कि बदलती और अधिक असुरक्षित दुनिया का सामना करना पड़ेगा। अब समय है कि बरती के बदलते मिजाज को समझा जाए और उसके संकेतों पर गंभीरता से अमल किया जाए।

संपादकीय

पर्यटन की अधूरी तलाश

पर्यटकों की आमद का एक नक्शा विधानसभा सत्र में उभरा है। पिछले तीन साल में हिमाचल में 7.59 पर्यटक आए जबकि इस दौरान 262824 विदेशी सैलानी भी यहां आए। आंकड़ों की दृष्टि से आबादी से दोगुना पर्यटक आकर्षित करके हिमाचल अपनी संभावनाओं और क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन ह्रस्वकालीन टूरिज्म के नजरिये से अभी व्याख्या होनी बाकी है। हिमाचल की खुबी यह है कि यहां पर्यटन आगमन के कई कारण हैं, फिर भी हम मार्केटिंग में पीछे हैं। कुछ ऐसे सफ़ि़त हैं जिन्हें हिमाचल ने अहमियत ही नहीं दी। सभी मौसम और सभी कारणों के पर्यटन का संतुलन बहुत जरूरी है ताकि हम हाई एंड टूरिज्म को आमंत्रित कर सकें। बेशक पिछले तीन सालों में दो लाख 65 हजार के करीब विदेशी पर्यटक हिमाचल आए, लेकिन इनके द्वारा खर्च की गई राशि अति उत्तम नहीं। प्रायः बजट टूरिस्ट ही हिमाचल आ रहे हैं। कसौल और धर्मकोट में आ रहे विदेशी पर्यटक कई बार भारतीय सैलानियों से भी कम खर्चोले होते हैं। दूसरी ओर पर्यटकों की बढ़ती तादाद में मंदिरों के दर्शन की रूटिन ही नजर आती है। तीसरे सप्ताहांत पर्यटन की मॉजिलें केवल कुछ स्थलों पर ही रहती हैं। चौथे युवा पर्यटकों का आगमन सीमित गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में पूरे हिमाचल का प्रतिनिधत्व नहीं करता है। ऐसे में हिमाचल में पर्यटन की तलाश अधूरी है। यह आंकड़ों की जुवान से भले ही अच्छी लगे, लेकिन गुणवत्ता के आधार पर हिमाचल के संदर्भ अभी खाली हैं। हिमाचल की खोज जिस दिन हाई एंड टूरिस्ट करेगा, उस दिन पर्यटन की आर्थिक भागीदारी बढ़ जाएगी। दूसरी ओर सप्ताहांत पर्यटन के साथ-साथ पूरे हफ्ते या इससे ज्यादा विश्राम का पर्यटन फैले, तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हिमाचल में हाई एंड पर्यटन की जरूरतें अभी समझी ही नहीं गईं। ट्राइबल, सांस्कृतिक एवं धरोहर पर्यटन को महत्त्व मिले, तो विविध आकर्षणों की तरफ विदेशी वौड़े आएंगे। शिमला के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्त्व को देखते हुए सबसे अधिक विदेशी पर्यटक आते हैं, जबकि धर्मशाला, डलहौजी, मकलोडगंज, मनाली व कसीली में विदेशी बजट टूरिस्ट ही आ रहे हैं। हिमाचल में अधिक स्टे के लिहाज से युवा पर्यटक या यूं कहें कि कारपोरेट जगत से जुड़े युवा आ रहे हैं। इनकी जरूरतें हालांकि सीमित हैं, फिर भी इस श्रेणी के पर्यटक ज्यादा दिनों के लिए बार-बार हिमाचल आ रहे हैं। हिमाचल में देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए साहसिक व खेल पर्यटन भी सीगात बन रहा है। अकेले धर्मशाला में ही आईपीएल तथा अन्य क्रिकेट मैचों के जरिए हर साल दो लाख के करीब देशी-विदेशी पर्यटक पहुंच रहे हैं। हाई एंड पर्यटक की तलाश में हिमाचली अद्येसंरचना में तेजी से बदलाव आ रहा है, लेकिन महापर्यटन की दृष्टि से कई प्रयास करने होंगे। महामहिम दलाई लामा की उपस्थिति से लाभ उठाते अगर काल चक्र आयोजन के लिए स्थायी सुविधाएं कहीं धर्मशाला-मनाली के बीच विकसित की जाएं, तो यह राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की नई मंजिल हो सकता है। पाँग तथा अन्य कृत्रिम झीलों में साहसिक खेलों तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार हो, तो यह पर्यटन के वार्षिक मेलों का प्रसार करेगा।

चितन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेन्द्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान। यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्म की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्त्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

आय से 572% अधिक खर्च, तत्कालीन परिवहन निरीक्षक को 4 साल की सजा, 60 लाख का जुर्माना

उज्जैन। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के भ्रष्टाचार के मामले में उज्जैन की विशेष अदालत ने तत्कालीन परिवहन निरीक्षक सेवाराम खांडेकर को दोषी ठहराते हुए चार वर्ष के सश्रम कारावास और 60 लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर आरोपी को एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतान होगा। सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी को भैरवगढ़ जेल भेज दिया गया। विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), उज्जैन ने 31 अगस्त 2026 को यह फैसला सुनाया। मामला विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त उज्जैन के अपराध क्रमांक 122/2011 से संबंधित है। आरोपी सेवाराम खांडेकर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1ई) एवं 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। लोकायुक्त के अनुसार आरोपी के खिलाफ 11 नवंबर 2011 को मावला दर्ज कर उसी दिन उज्जैन के अलकनंदा नगर स्थित उसके मकान पर छापा कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई के दौरान घर से विलासिता की वस्तुओं के साथ बड़ी मात्रा में नकदी और ज्वेलरी बरामद होने की बात सामने आई थी। मामले की विवेचना उप पुलिस अधीक्षक एसएस उदावत ने की। विवेचना में आरोपी की कुल आय 27 लाख 37 हजार 628 रुपए के मुकाबले कुल व्यय 1 करोड़ 84 लाख 15 हजार 129 रुपए पाया गया। इस तरह आय की तुलना में व्यय 572 प्रतिशत अधिक पाया गया। विवेचना पूरी होने के बाद 30 अगस्त 2014 को विशेष न्यायालय उज्जैन में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद विशेष न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध करते हुए चार वर्ष के सश्रम कारावास और 60 लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड जमा नहीं करने की स्थिति में एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतान होगा। फैसला सुनाए जाने के बाद आरोपी को भैरवगढ़ जेल भेज दिया गया। लोकायुक्त संगठन की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने मामले में पैरवी की।

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर प्रोटेस्ट की सभी FIR रद्द कीं:नई FIR भी दर्ज नहीं होंगी; काँकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर का मार्च वापस लिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को काँकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से जुड़ी सभी FIR को रद्द कर दिया है। यह आदेश देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दर्ज मामलों पर लागू होगा। कोर्ट ने साफ किया कि जिन प्रदर्शनकारियों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उन पर केस चलता रहेगा। इसके बाद काँकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर

के मार्च को वापस ले लिया है। ये FIR 20 से 25 जुलाई के बीच जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों के बाद दर्ज की गई थीं। **सुप्रीम कोर्ट ने फैसला संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत लिया** – सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल किया। कोर्ट ने

कहा कि FIR रद्द करने का फैसला सिर्फ इसी मामले के खास तथ्यों और हालात को देखकर लिया गया है, इसलिए इसे दूसरे मामलों के लिए उदाहरण और बाध्यकारी फैसला नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान के तहत मिली अपनी विशेष शक्ति का इस्तेमाल इस शर्त पर किया जा रहा है कि दोनों पक्ष कोर्ट के सामने हुए समझौते का पूरी तरह पालन करेंगे। **CJI सूर्यकांत ने सौरव दास की तारीफ की, कहा-आपने अच्छा कदम उठाया** – लाइव लॉ के अनुसार रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट रुम में CJP के प्रवक्ता सौरव दास भी मौजूद थे। वे बेंच के सामने पेश हुए और गुप्त की तरफ से एक बयान पढ़ा- “मैं यह कहना चाहता हूँ कि सरकार के भरोसे पर

आज लगी अदालती मुहर और ऑर्डर को देखते हुए हम 5 सितंबर का मार्च वापस ले रहे हैं।” सौरव के बयान के बाद CJI सूर्यकांत ने कहा- “आपने भी बहुत अच्छा कदम उठाया।”

एक संस्था के रूप में, हम आभारी हैं कि ऐसा सकारात्मक वातावरण बनाया गया है जो युवाओं के लिए मददगार होगा।”

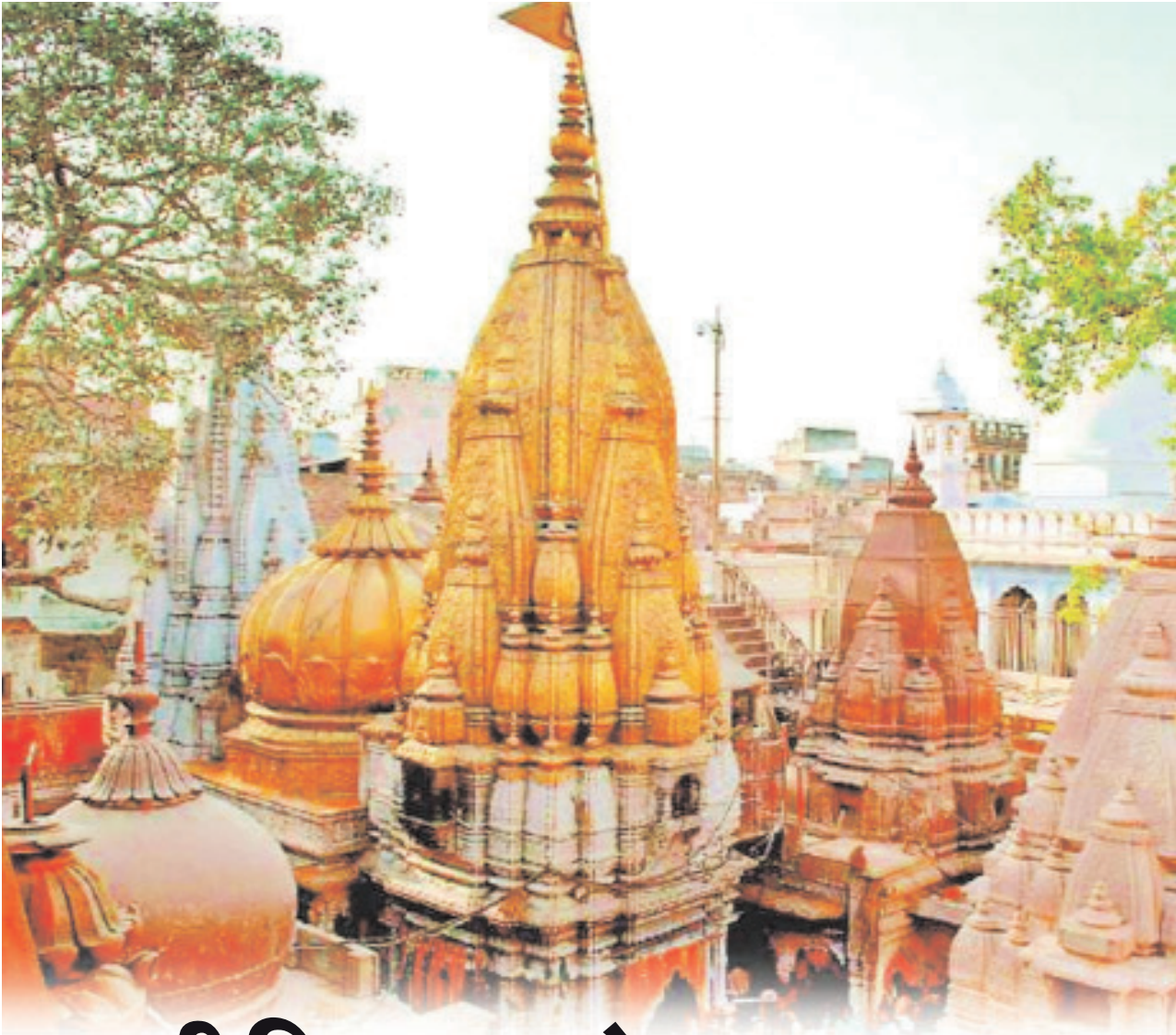
मोदी की फिर अपील-जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदें नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8% रहने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है। PM ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, ‘आग जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।’ इससे पहले 10 मई को भी PM ने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की थी। पीएम मोदी ने राहुल का नाम लिए बिना कहा- देश के अंदर कुछ लोग निराशा फैलाने और ‘झूठ की गूंज’ के सहारे माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों के बावजूद भारत ने 7.8% की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी और आगे भी तेजी से विकास करना होगा।



पर ही घायल होकर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे

और घायल को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। अत्यधिक रक्तस्राव से

बिगड़ी हालत – जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल का उपचार शुरू किया, लेकिन सिर



काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों ‘वरुणा’ और ‘असि’ के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम ‘वाराणसी’ पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर

बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे

प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदूरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।



विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की

उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ ‘शिवलोक’ नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को ‘काशी’ कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और

महेश की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेश की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्य्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है।

ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है।

उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाहनवी व भीलमंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। 18 स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक ‘तीर्थ चिंतामणि’ में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाशु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां ‘बिधुमाधव’ के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल

- पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दुल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनिर्यंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।



- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घंटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमान नाद आँकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1. गरुड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3. हाथ घंटी और 4. घंटा।
- गरुड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से टोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुद्व के नाम पर है गुरुद्व घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रातः और संध्या को ही आरती करते वक़्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

- पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं – 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंद्रुलेखा, 5. चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ‘‘अष्टसखी’’ कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।
- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
 - इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
 - तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
 - ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
 - इनकी माता का नाम मेधा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकणी बताया जाता है।
 - कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
 - बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
 - पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
 - इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
 - राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बड़ी है तुंग विद्या।



कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवतः इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अतः कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो है माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरु महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरु महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार बार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खड़ित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणाामृत के साथ तुलसी की सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणाामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीन त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणाामृत सेवन के लाभ।

चरणाामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनाता चरणाामृत : तांबे के बर्तन में चरणाामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणाामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है। चरणाामृत लेने के नियम : चरणाामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणाामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणाामृत अधिक लाभप्रद होता है। चरणाामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे :

- शास्त्रीय में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।
- अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणाामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- चरणाामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणाामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरुष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चितता प्रदान करता है।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणाामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।



बीएससी नर्सिंग की 11,819 सीटों पर काउंसिलिंग शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश के नर्सिंग शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बी.एससी. नर्सिंग पाठ्यक्रम की काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी अधिकृत सीट आवंटन तालिका के अनुसार, इस वर्ष प्रदेश के 202 कॉलेजों में कुल 11,819 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इनमें 21 सरकारी कॉलेजों की 1,630 सीटें और 181 निजी कॉलेजों की 10,189 सीटें शामिल हैं। प्रदेश में बी.एससी. नर्सिंग की कुल सीटों में सरकारी कॉलेजों की हिस्सेदारी महज 13.8 प्रतिशत है, जबकि निजी कॉलेजों की हिस्सेदारी 86.2 प्रतिशत है। राज्य में बी.एससी. नर्सिंग की लगभग हर 7 में से 6 सीटें निजी संस्थानों के खाते में हैं। सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में इंदौर के शासकीय नर्सिंग कॉलेज में सर्वाधिक 210 सीटें उपलब्ध हैं।

रेत से भरे डंपर ने बाइक को रौंदा, एक युवक की मौत, दो साथी गंभीर



कुकडेश्वर। नीमच जिले के कुकडेश्वर में सोमवार शाम सेंट्रल बैंक के सामने तेज रफ्तार रेत से भरे डंपर ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार कैलाश पिता केशुराम रावत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जांचकारी के अनुसार ग्राम मगरदार, थाना रामपुरा निवासी कैलाश रावत अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल से काम के सिलसिले में जा रहा था। तीनों

साथी टक्कर के बाद सड़क पर दूर जा गिरे। दोनों को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं दुर्घटना में शामिल डंपर को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू करते हुए हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बंदियों की कलाइयों पर सजी राखी, मन में जगा बदलाव का संकल्प



जावद। सब जेल जावद में सोमवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आध्यात्मिक शिविर एवं राखी मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बंदियों को आध्यात्मिक चिंतन, आत्मचिंतन और सकारात्मक सोच के माध्यम से जीवन में बदलाव लाने का संदेश दिया गया। वहीं जिन बंदियों को रक्षाबंधन पर राखी बांधने वाला कोई नहीं था, उनकी कलाइयों पर ब्रह्माकुमारी बहनो ने राखी बांधकर भाईचारे और आत्मियता का भाव जगाया।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, श्रुति दीदी, मेघना दीदी, योगिता दीदी एवं समता दीदी ने आध्यात्मिक प्रवचन दिए। उन्होंने बंदियों को बुराइयों का त्याग कर प्रेम, शान्ति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आत्मचिंतन और सकारात्मक सोच व्यक्ति

के जीवन में नई दिशा दे सकती है। रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित राखी मिलन समारोह में बहनो ने बंदियों को राखी बांधकर भाईचारे, प्रेम और आत्मिक संबंधों का संदेश दिया। इस दौरान बंदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बंदियों को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। ब्रह्माकुमारी बहनो ने उन्हें पांच प्रतिज्ञाएं भी दिलाईं, जिनमें बुराइयों एवं नशे से दूर रहने, सकारात्मक और अनुशासित जीवन जीने तथा समाज व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन करने का संकल्प शामिल रहा। आध्यात्मिक शिविर और राखी मिलन समारोह ने बंदियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

राहुल गांधी पर FIR के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस का प्रदर्शन, उग्र आंदोलन की चेतावनी



नीमच। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई और इसके विरोध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज FIR के विरोध में सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मोनू लोकस के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। प्रदर्शनकारी सबसे पहले गांधी भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में एकत्र हुए। इसके बाद भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ताओं ने पैदल रैली निकाली। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई विजेता चौराहा पहुंची, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आरोप

लगाया कि जंतर-मंतर पर छात्रों के अधिकारों का हनन हुआ और उनके पक्ष में खड़े होने पर राहुल गांधी के खिलाफ दुर्भावनापूर्वक FIR दर्ज की गई। कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई को वापस लेने की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी - ब्लॉक कांग्रेस नेताओं ने सरकार से राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज कार्रवाई को तत्काल निरस्त करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई

वापस नहीं ली गई तो आने वाले दिनों में कांग्रेस सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

प्रदर्शन में थे रहे मौजूद - प्रदर्शन में ओम दीवान, गुर्जर यादव, राकेश अहीर, योगेश प्रजापति, भानुप्रताप सिंह, मुकेश कालरा, बबली तंवर, ब्रजेश सक्सेना, ओम शर्मा, बाबू सलीम, अनिल चौरसिया, ब्रजेश मित्तल और इलियास कुरैशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश सरकार फिर लेगी 3,600 करोड़ का कर्ज, कुल कर्ज बढ़कर हुआ 5.40 लाख करोड़, 18 और 30 साल में होगा चुकता

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार बुधवार को एक बार फिर भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से 3,600 करोड़ रुपये का कर्ज लेने जा रही है। इस राशि का उपयोग आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ विकास परियोजनाओं में किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सरकार अब तक 47,800 करोड़ का कर्ज ले चुकी है। अगस्त में ही दो बार में छह हजार करोड़ रुपये लिए थे।

कर्ज की अवधि और भुगतान की शर्तें - वित्त विभाग ने अधिसूचना जारी कर भारतीय रिजर्व बैंक के पोर्टल के माध्यम से कर्ज लेने की प्रक्रिया की है। पहला कर्ज 1,600 करोड़ रुपये का 18 साल के लिए

लिया जाएगा, जो 30 साल के लिए होगा। जबकि, दूसरा कर्ज दो हजार करोड़ रुपये का होगा और 30 साल में चुकाया जाएगा। हर साल दो मार्च और छह सितंबर को ब्याज का भुगतान किया जाएगा। इसके पहले चार अगस्त को 2,600 और 18 अगस्त को 2,400 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया था। बुधवार के कर्ज को मिलाकर 2026-27 में सरकार द्वारा इस वर्ष लिए गए कुल कर्ज की राशि 51,400 करोड़ रुपये हो जाएगी। 31 मार्च 2026 की स्थिति में प्रदेश के ऊपर चार लाख 88 हजार 714 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अब बढ़कर 5,40,114 करोड़ रुपये हो जाएगा।



RBS GROUP OF INSTITUTION

कॉलेज केम्पस : हकियाखाल चौराहा, मंदसौर रोड, नीमच (म.प्र.)

Ph. (07423) 268268-69-70, M.9425922520, 7869587202, 7694015501 7694015502

NURSING (नर्सिंग)	MGMT & COMMERC	Computer & IT	SOCIAL WORK	PHARMACY
GNM (नर्सिंग)	BBA	BCA	MSW	D. PHARMA
B.Sc. (नर्सिंग)	MBA	B.Sc. (cs)		
M.Sc. (नर्सिंग)	B.Com (plain)	DCA		EDUCATION
P.B. B.Sc. (नर्सिंग)	B.Com. (Compu.)	PGDCA		D.Ed B.Ed

SC/ST/OBC वर्ग के विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति



Radhadevi Ramchandra Mangal Group of Institutions



100% Placement Bus Facility Available

Courses Offered -

BBA, BCA, B.Com, ITI (Electrician/Fitter), B.Sc. Plain
B.Sc Micro Biology, B.Sc. (CS), B.Sc Seed Technology
B.Sc Agriculture, B.Ed, D.Ed, MBA, MSW

Bhatkheda, Mhow-Neemuch Road, Near Neemuch By Pass
Mob. 9406837863, 9424899978, 9425328392



SHRI S.R. GROUP OF COLLEGES

Admission Open 2025-26

धर्मेश तिवारी निरंजन (रातू) तिवारी
Director

MBA	B.Pharm	D.Pharm
2 Year	4 Year	2 Year

B.Ed.	D.Ed./STC	B.Sc. B.Ed.	B.A. B.Ed.
2 Year	2 Year	4 Year	4 Year

Singoli Road, Newad, Neemuch (M.P.) City Office : Indira Nagar, PG College Road, Neemuch (M.P.)
8817326635, 8109927774 shrisrcollege colleges90@gmail.com

श्री देव वेल्डिंग वर्क्स

आवश्यकता है

वर्कशाप पर काम करने के लिए

वेल्डर, फिटर और हेल्पर की तुरंत आवश्यकता है

संपर्क करें:

मदन माली - 9669999779
राजमल गायरी - 9926640630

पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच

पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच



GYANODAYA UNIVERSITY & GROUP OF INSTITUTES

27,000+ Alumni | 24 years

Admission Announcement 2026-27

A Leading & Premier University in the Serenity of Neemuch

Vibrant Campus Life with 9000+ Currently Enrolled Students	Highest Package ₹12.75 Lac	730 Placement Offers For Graduates of 2023 as on 5th April 2024	Average Package ₹4.75 Lac	220+ Recruitement Partners
--	----------------------------	---	---------------------------	----------------------------

Courses Offered

Pharmacy	Nursing	Management	Engineering	Comp. Science
D.Pharm B.Pharm M.Pharm	B.Sc. Nursing GNM Nursing Post Basic Nur.	BBA MBA B.Com M.Com	B.Tech (CSE, Elect. Mech, Civil/Env & Safety) M.Tech (CSE/IT/AM Energy Tech)	BCA MCA B.Sc.(CS) M.Sc.(CS) DCA/PGDCA
Paramedical	Agriculture	Education	Polytechnic	ITI
BPT BMLT DMLT OT/X-Ray	B.Sc.(Ag) M.Sc. (Agronomy) (Horticulture)	B.Ed. D.Ed. BA B.Ed.* B.Sc. B.Ed*	Electrical Mechanical Civil Comp. Sci.	Electrician Fitter COPA
Science	Social Work	Lib. Science	Art & Humanities	Hotel Mgmt
B.Sc. (PCMB2/Biotech/ Microbio/CS) M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/ Physics/Bio)	BSW MSW	B.Lib. M.Lib.	BA (Plain/ Journalism & mass communication) MA (Hindi/Eng./Psyca/Sociology & Political Sci./Eca/Education)	BHMCT Hotel Mgmt
Hospital Mgmt	Ph.D	Diploma Courses		
MBA in Hospital & Health Care Management	All Subjects	YOGA Beauty & Wellness Diet. & Nutl. Fitness Mgmt		

For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.) Call: 9827550959, 7771001344
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु.41,990/- इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...



#BuiltToPerform

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866